दक्षता आधारित कार्य-पत्रक

विषय: हिन्दी कक्षा : छठी

पाठ/प्रकरण का नाम : साथी हाथ बढ़ाना	**समयावधि :** 40 मिनट
विद्यार्थी का नाम : ----------	**पूर्णांक :**
अनुक्रमांक (रोल नं.) :	**दिनांक :** ...../...../.....

निर्देश:- **1. सभी प्रश्न अनिवार्य है| 2. कार्य-पत्रक में दिए गए स्थान पर ही उत्तर लिखें|**
3. लेखन कार्य की स्पष्टता एवं शुद्धता का विशेष ध्यान रखें|

(बहुविकल्पीय प्रश्न)

प्र. निम्नलिखित पठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प खोजकर लिखिए-

साथी हाथ बढ़ाना
एक अकेला थक जाएगा, मिलकर बोझ उठाना।
साथी हाथ बढ़ाना।
हम मेहनतवालों ने जब भी मिलकर कदम बढ़ाया
सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया
फौलादी हैं सीने अपने, फौलादी हैं बाँहें
हम चाहें तो चट्टानों में पैदा कर दें राहें
साथी हाथ बढ़ाना।

(1) 'फौलादी' शब्द का अर्थ काव्यांश के आधार पर लिखिए - 1

(क) पक्के और मजबूत
(ख) लोहे के बने, मजबूत
(ग) पीतल और लोहे से निर्मित
(घ) धातुओं के मिश्रण से बने

(2) मिलकर मेहनत करने वालों से क्या संभव हैं ? 1

(क) बड़ी से बड़ी मुश्किल हल हो जाती है
(ख) सागर भी रस्ता दे देता है
(ग) बाधाएँ भी स्वत: हल हो जाती हैं
(घ) दिए गए सभी

(3) 'साथी हाथ बढ़ाना' शब्द किस ओर संकेत करता है ? 1

(क) हाथ थामने का
(ख) हाथ आगे करने का
(ग) सहायता न करने का
(घ) मिलकर काम करने का

eGyanarchive

(4) निम्नलिखित पंक्तियों को मिलान करें - 1

खंड-**क**	खंड-**ख**
(अ) मेहनत अपनी लेख की रेखा	(i) अपना रस्ता नेक
(ब) कल गैरों की खातिर की	(ii) मेहनत से क्या डरना
(स)अपना सुख भी एक है साथी	(iii) आज अपनी खातिर करना
(द)अपनी मंजिल सच की मंजिल	(iv) अपना दुख भी एक

(क) (अ) (ii), (ब) (i), (स) (iv), (द) (iii)
(ख) (अ) (ii), (ब) (iii), (स) (iv), (द) (i)
(ग) (अ) (i), (ब) (ii), (स) (iii), (द) (iv)
(घ) (अ) (iii), (ब) (ii), (स) (i), (द) (iv)

(5) 'सागर' शब्द का पर्यायवाची शब्द रूप नहीं हैं ? 1

(क) नदी
(ख) समुद्र
(ग) सिंधु
(घ) रत्नाकर

(भाषा की बात आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)

6. 'परबत' शब्द का हिन्दी में प्रचलित शुद्ध रूप लिखिए :- 1

(क) प्रहार
(ख) प्रकार
(ग) प्रत्येक
(घ) पर्वत

7. निम्नलिखित शब्दों को उनके अर्थ से मिलन कीजिए- 1

खंड-**क**	खंड-**ख**
(अ) सीस	(i) किसी वस्तु का बहुत छोटा अंश
(ब) मंजिल	(ii) बूँद
(स) कतरा	(iii) सिर
(द) जर्रा	(iv) मुकाम/लक्ष्य

(क) (अ) (iii), (ब) (iv), (स) (ii), (द) (i)
(ख) (अ) (ii), (ब) (i), (स) (iii), (द) (iv)
(ग) (अ) (ii), (ब) (i), (स) (iv), (द) (iii)
(घ) (अ) (i), (ब) (ii), (स) (iii) , (द) (iv)

8. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा **व्यक्तिवाचक** संज्ञा शब्द नहीं है ? 1

(क) राम (ख) जंगल
(ग) दिल्ली (घ) हिमालय

egyanarchive

(वर्णनात्मक प्रश्न)

9. गैरों के लिए हमने क्या किया था ? 2

उत्तर:- ----------

---

10. इस कविता से हमें क्या संदेश देता है ? 2

उत्तर:- ----------

---

11. क्या वर्तमान समय में भी मदद की आवश्यकता है ? 2

उत्तर:- ----------

---

12. 'साथी हाथ बढ़ाना' गीत किस फिल्म में गाया गया था ? इस गीत को क्या दर्शाने के लिए गाया गया? 2

उत्तर:- ----------

(रचनात्मक/सृजनात्मक प्रश्न)

13. 'एकता में बल है' इस विषय पर 80 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए | 4

उत्तर:- ----------

---

egyanarchive

उत्तरमाला

प्रश्न	दक्षता/उद्देश्य	उत्तर	
		(बहुविकल्पीय प्रश्न)	
1.	**ज्ञानात्मक**	**उत्तर:-** (क) पक्के और मजबूत	1
2.	**बोधात्मक**	**उत्तर**:- (घ) दिए गए सभी	1
3.	**ज्ञानात्मक**	**उत्तर:- (घ)** मिलकर काम करने का	1
4.	**स्मरणात्मक**	**उत्तर:-** (ख) (अ) (ii) , (ब) (iii) , (स) (iv) , (द) (i)	1
5.	**ज्ञानात्मक**	**उत्तर:-** (ख) नदी	1
		(भाषा की बात आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
6.	**अनुप्रयोगात्मक**	**उत्तर:-** (घ) पर्वत	1
7.	**अनुप्रयोगात्मक**	**उत्तर:-** (क) (अ) (iii) , (ब) (iv) , (स) (ii) , (द) (i)	1
8.	**अनुप्रयोगात्मक**	**उत्तर:-** (ख) जंगल	1
		(वर्णनात्मक प्रश्न)	
9.	**स्मरणात्मक**	**उत्तर:-** गैरों के लिए हमने अपनी सुख-सुविधा की परवाह न करके हमेशा उनके कार्यों को पूरा करने में ही लगा रहा ।	2
10.	**मूल्यांकन**	**उत्तर:-** कवि मुख्य रूप से परस्पर सहयोग, एकता,एवं संगठन का संदेश देता है| हमारी भावनाएँ नेक और परोपकारी होनी चाहिए जिससे पूरे समाज को एकता और बल मिले| अगर मिल-जुलकर काम कृते हैं तो कठिन से कठिन काम भी आसानी से हो जाता है|	2
11.	**बोधात्मक**	**उत्तर:-** आज भी इसकी आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है| व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान और प्रगति के लिए एक-दूसरे का सहयोग करना आवश्यक है| उसके बिना प्रगति एवं खुशहाली संभव नहीं है|	2
12.	**स्मरणात्मक**	**उत्तर:-** 'साथी हाथ बढ़ाना' गीत 'नया दौर' फिल्म में गाया गया था| इस गीत को सहयोग, जोश एवं उमंग की भावना को दर्शाने के लिए गाया गया|	2
		(रचनात्मक/सृजनात्मक प्रश्न)	
13.	**सृजनात्मक**	**उत्तर:-** यह सत्य है कि एकता ही में बल है क्योंकि एक-दूसरे के सहयोग से ही हम मुश्किल से मुश्किल काम को भी आसानी से कर सकते हैं| एकता में रहने से मनुष्य को अपने समूह के लोगों को देखकर कुछ अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है| एकता में रहने से पूरे समूह की शक्ति एक साथ रहटी है| एकता से किसी उद्देश्य की आसानी से साथ मिलकर पूरा किया जा सकता है| जब एक लकड़ी तोड़ने के लिए दी जाती है तो आसानी से तोड़ सकते हैं ,लेकिन लकड़ी की गठरी तोड़ने के लिए दिया जाए तो उसे नहीं तोड़ सकते । इस तरह स्पष्ट होता है कि एकता में बल है| **(नोट-** विद्यार्थी के स्वविवेक पर आधारित मूल्यांकन**)**	4